

प्रेषक,

एम०एच०खान
सचिव
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 25 नवम्बर 2008

विषय:- राज्य सैक्टर नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत जलोत्सारण योजनाओं हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1578/उत्तीस(2)/07-2(114पे0)/07 दिनांक 18.09.07 द्वारा अन्य योजनाओं के साथ-साथ श्रीनगर जलोत्सारण (कमलेश्वर क्षेत्र), श्रीनगर जलोत्सारण (निरंजनी बाग क्षेत्र) एवं श्रीनगर जलोत्सारण (गोला बाजार क्षेत्र) योजनाओं के प्राक्कलनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही धनराशि की किश्त अवमुक्त की गई है। तद्विषयक आपके पत्रांक 3751/धनावंटन प्रस्ताव/दिनांक 22.10.08 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य सैक्टर की नगरीय जलोत्सारण योजनान्तर्गत जनपद पौड़ी की निर्माणाधीन श्रीनगर जलोत्सारण कमलेश्वर क्षेत्र, श्रीनगर जलोत्सारण निरंजनी बाग क्षेत्र, श्रीनगर गोलाबाजार जलोत्सारण क्षेत्र, योजनाओं के निर्माण कार्यों हेतु निम्न विवरणानुसार कुल ₹0 51.81 लाख (₹0 इक्यावन लाख इक्यासी हजार मात्र) अनुदान की मद में तथा इतनी ही धनराशि ऋण की मद में अर्थात् कुल ₹0 103.62 लाख (₹0 एक करोड़ तीन लाख बासठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(धनराशि ₹0 लाख में)

क्र० सं०	योजना का नाम	स्वीकृत लागत	अवमुक्त	व्यय	अवमुक्त की जा रही धनराशि		
					अनुदान	ऋण	योग
1	श्रीनगर जलोत्सारण (कमलेश्वर क्षेत्र)	85.75	35.00	28.17	12.405	12.405	24.81
2	श्रीनगर जलोत्सारण (निरंजनीबाग क्षेत्र)	71.35	30.00	46.69	20.675	20.675	41.35
3	श्रीनगर जलोत्सारण (गोला बाजार क्षेत्र)	89.55	52.09	44.90	18.73	18.73	37.46
	योग	246.65	117.09	119.76	51.81	51.81	103.62

2- ऋण अंश के रूप में स्वीकृत धनराशि की वापसी एवं ब्याज अदायगी निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी:-

(1) ऋण मद की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ दी जाती है कि पूर्व में स्वीकृत ऋणों की अदायगी यदि अभी तक नहीं की गई हो तो ऐसी समस्त धनराशि का समायोजन किये जाने के बाद ही शेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

- (2) यह ऋण 15(पन्द्रह) समान किस्तों में व ब्याज सहित प्रतिदेय होगा। इस ऋण का प्रतिदान ऋण आहरण की तिथि से एक वर्ष बाद प्रारम्भ होगा। उक्त ऋण पर अन्तिम रूप से 15 (पन्द्रह) प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा, किन्तु निगम द्वारा समय-समय पर ऋण का प्रतिदान/ब्याज का भुगतान करने की दशा में 3-1/2 प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यदि कालातीत न हों अर्थात् अन्तिम प्रभावी ब्याज की दर 11-1/2 (साढ़े ग्यारह) प्रतिशत होगी। ऋण/ब्याज का भुगतान प्रतिदान करने के बाद एक बार भी वित्तिथ होने पर ब्याज की दर में कोई छूट नहीं दी जायेगी।
- (3) ऋणी/संस्था/समिति/कारपोरेशन/स्थानीय निकाय आदि प्रत्येक दशा में ऋण के आहरण की सूचना महालेखाकार (राजकीय) कार्यालय महालेखाकार (लेखा) प्रथम, उत्तरांचल को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम बाउचर संख्या, तिथि तथा लेखार्शीषक सूचित करते हुए भेजें।
- (4) ऋणी/संस्था/संस्थान जब भी ब्याज जमा करें महालेखाकार कार्यालय को सूचना निम्न प्रारूप पर अवश्य भेजें -
- (1) कोषागार का नाम
 - (2) चलान संख्या व दिनांक
 - (3) जमा धनराशि।
 - (4) लेखा र्शीषक जिसके अन्तर्गत जमा किया गया किस्त ब्याज
 - (5) शासनादेश संख्या एवं एस0एल0आर0 का संदर्भ किस्त ब्याज
 - (6) पिछले जमा का सन्दर्भ।
- (5) ऋणी संस्था आहरण के प्रत्येक वर्षगाठ पर अपने लेखों का निदान महालेखाकार के लेखों से अवश्य करें। भविष्य में शासन द्वारा ऋण तभी स्वीकृत किया जा सकेगा जब यह सुनिश्चित हो जाये कि ऋणी संस्था में इस प्रकार के वार्षिक लेखों का मिलान महालेखाकार कार्यालय के लेखों से करा लिया है तथा प्रत्येक अवशेष ऋण की स्थिति यथा समय शासन को अवश्य उपलब्ध करा दें।
- 3- कराये जाने वाले कार्यों पर वित्त(वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7 के शासनादेश संख्या 163/XXVII(7)/2007, दिनांक 22.05.08 के अनुसार देय सेन्टेज से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- 4- अनुदान की धनराशि का व्यय ऋण राशि के साथ ही किया जायेगा
- 5- प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार, देहरादून में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में धनराशि केवल आवश्यकतानुसार ही किस्तों में आहरित की जायेगी।
- 6- उपरोक्त योजनाओं हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि के दिनांक 31.03.09 तक पूर्ण उपयोग कर तथा वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन में प्राप्त होने के उपरान्त ही अगली किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 7- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्वेज रूल्स, डी0जी0,एस0 एण्ड डी0, टैंडर और अन्य समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन किया जायेगा।
- 8- व्यय उन्ही मदों/योजनाओं पर किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 9-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। यदि एक मद/योजना हेतु स्वीकृत धनराशि का व्यय दूसरी योजनाओं

पर किया जाना पाया जाता हैं तो इस हेतु विभागाध्यक्ष का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

10-स्वीकृत की जा रही धनराशि का वर्तमान वित्तीय वर्ष के समाप्ति से पूर्व तक पूर्ण उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा। अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारी का स्पष्टीकरण लिया जायेगा और उपयोग के उपरान्त अविलम्ब इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा तथा शेष कार्यो हेतु धन प्राप्त कर इस प्रकार पूरा किया जायेगा कि लागत में वृद्धि न होने पाये।

11- यदि यह धनराशि आहरित करके अपने बैंक खाते में रखी जायेगी तो इस धनराशि पर समय समय पर अर्जित ब्याज को वित्त विभाग के दिशा निर्देशानुसार राजकोष में जमा कर दिया जायेगा।

12- उपरोक्त के अतिरिक्त शासनादेश संख्या 1578/उन्तीस(2)/07-2(114पे0)/2007 दिनांक 18.09.07 में उल्लिखित शर्तें यथावत रहेंगी।

13-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आय-व्ययक के अनुदान सं0-13 के अन्तर्गत अनुदान की धनराशि लेखाशीर्षक" 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरीजलापूर्ति कार्यक्रम-05- नगरीय पेयजल-01- नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे तथा ऋण की धनराशि लेखाशीर्षक- "6215-जलपूर्ति तथा सफाई के लिए कर्ज-02 मल-जल तथा सफाई- आयोजनागत- 800- अन्य कर्ज- 04- पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए ऋण-00-30-निवेश /ऋण" के नामे डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 267 दिनांक 27.03.08 में दी गई व्यवस्थानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0एच0खान)
सचिव

सं0-1995(1)/उन्तीस(2)/08-2(114पे0)/2007,तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।

2-आयुक्त गढ़वाल मण्डल।

3-जिलाधिकारी, देहरादून।

4-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

5-मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान देहरादून।

6-वित्त अनुभाग-2/वित्त(बजट सैल)/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।

7-निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।

8-स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।

8-श्री एल0 एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग।

9-निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।

✓ 10-निदेशक, एन0आई0सी0,सचिवालय परिसर,देहरादून।

11-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव